Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

# ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

**कृषि अनुसंधान केन्द्र**
**स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,**
**बीकानेर - 334 006**

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

**डा. शिशपाल सिंह**
**सहायक प्राध्यापक**

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./18/ दिनांक 05.10.2018

## मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 06 अक्टुबर 2018 से 10 अक्टुबर 2018 तक

**मौसमपूर्वानुमानः** भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

| मौसमकारक | | दिनांक | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 06.10.2018 | 07.10.2018 | 08.10.2018 | 09.10.2018 | 10.10.2018 |
| 1. | वर्षा (एम.एम.) | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| 2. | आसमान में बादलो की स्थिति | आंशिक बादल | स्वच्छ आकाश | आंशिक बादल | स्वच्छ आकाश | स्वच्छ आकाश |
| 3. | तपमान में वृद्वि / कमी | | | | | |
| | अधिकतम | **39** | **39** | **40** | **40** | **39** |
| | न्यूनतम | **23** | **24** | **24** | **24** | **23** |
| 4. | वायुदिशा | दक्षिणी दक्षिणी पूर्वी | दक्षिणी | दक्षिणी | दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी | दक्षिणी |
| 5. | सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत ) | | | | | |
| | अधिकतम | **68** | **67** | **64** | **63** | **67** |
| | न्यूनतम | **15** | **14** | **13** | **12** | **13** |
| 6. | औसत वायु गति {कि./घण्टा} | **7** | **10** | **9** | **6** | **8** |
| 7 | कुलवर्षा | **00.00** | | | | |

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,** कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में दिन व रात के तापमान मे हल्की बढ़ोतरी होने, मध्यम आपेक्षिक आर्द्रता के साथ वायु की औसत गति मध्यम रहने, आसमान मे आंशिक बादल छाये रहने और वर्षा नही होने की संभावना है।**
  - वायुमंडल में तापमान बढ़ने के कारण खरीफ की खड़ी फसलें तेजी से पकाव की और अग्रसर हो सकती है। इन फसलों की कटाई की तैयारी रखें और बिना समय गवांयें कटाई करें जिससे उपज का नुकसान कम से कम हो और उपज की गुणवत्ता बनी रहें।
  - सरसों व चने की बुवाई के लिए तापमान के कम होने का इंतजार करें। रबी फसलें यथा सरसों, चना की बुवाई के लिए खाद, बीज आदि की व्यवस्था करे, परन्तु अभी बुवाई नही करे।
  - सरसों व चने की बुवाई के लिए उपयुक्त समय 15 से 25 अक्टूबर है , जब दिन का तापमान 35° सै. से कम आ जाए ।
  - चने की उन्नत किस्में जीएनजी-469, जीएनजी-663, जीएनजी-1581, आरएसजी-888, आरएसजी -44, आरएसजी -945, आरएसजी -807 एवम् सी-235 एवम् सरसों की उतम् किस्में बायो-902, पूसाबोल्ड, टी-59, अरावली, आरजीएन -73 एवम् आरजीएन -48
  - मूँगफली की फसल में इस समय दाना बनने और दाना पकने की अवस्थाएँ चल रही है। मूँगफली की फसल मे म्लानि के लक्षण प्रकट होने पर फलियाँ बनते समय सिंचाई अवश्य करें।
  - सिंचित क्षेत्रों में रबी मौसम मे पशुओं को हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए चारे वाली फसलों जैसे रिजका , बरसीम, जई आदि की बुवाई की तैयारी करे। पहली कटाई से अधिक चारा उत्पादन लेने के लिए रिजका , बरसीम के साथ राया सरसों मिलाकर बुवाई करने से हरे चारे की उपज के साथ साथ उसकी पौष्टिकता भी बढ़ती है।
  - जई की फसल से अधिक हारा चारा लेने के लिए उन्नत किस्में जैसे ओ एस 6, ओ एस 9 तथा बरसीम के लिए बी एल 10, बी एल 22 आदि काम में लेवें तथा अक्टूबर माह के मध्य से बुवाई शुरू करें।
  - पशुओं को बाह्य परजीवी से बचाव के लिए पशु.चिकित्सक की सलाह अनुसार दवाई का छिड़काव नियमित करें ।